16 / 06 / 77 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

एक ही पढ़ाई द्वारा

नम्बरवार पूज्य पद पाने का अनुभव

➢➢ एक ही पढाई से नम्बरवार पूज्य पद पाना

➳_ ➳ मैं परम पूज्य आत्मा हूँ...

➳_ ➳ मैं देख रही हूँ...

➳_ ➳ बड़े बड़े मंदिरों में भक्त मेरी पूजा कर रहे हैं...

➳_ ➳ वंदना कर रहे हैं...

➳_ ➳ गायन कर रहे हैं...

➳_ ➳ मेरी महिमा गा रहे हैं...

→ शालिग्राम बनाकर शिव बाबा के साथ मेरी पूजा हो रही है...

→ विशेष इष्टदेव स्वरुप की पूजा हो रही है...

- मैं अष्ट रत्न में आने वाली आत्मा हूँ...
- 16108 की माला कभी कभी फेरी जाती है...
- 108 की माला अनेक बार फेरी जाती है...
- लेकिन मैं अष्ट रत्न आत्मा सदा दिल के समीप हूँ...
  - ▶ मैं आत्मा आत्मिक स्वरुप की अभी संगम पर साधना कर रही हूँ...
  - ▶ आत्म अभिमानी स्थिति ही मेरा लक्ष्य है...
  - ▶ मैं आत्मा रजा बन कर्मेन्द्रियों को चला रही हूँ...
  - ▶ मेरी हर कर्मेन्द्रि स्वच्छ बनती जा रही है...
  - ▶ मैं कर्मेन्द्रिय जीत बनती जा रही हूँ...
  - ▶ सम्पूर्ण निर्विकारी बन रही हूँ...
  - ▶ कर्मेन्द्रियों के रसों में अब मेरी आँख नहीं डूबती...
  - ▶ मैं उंच बाप की संतान हूँ...
  - ▶ हर पल उनके ही संग में रहती हूँ...
  - ▶ बाप के ज्ञान को धारण कर रही हूँ...
  - ▶ उनकी श्रेष्ठ पालना में पल रही हूँ...
  - ▶ इसी कारण मेरी डबल पूजा हो रही है...
  - ▶ शालिग्राम रूप में भी...
  - ▶ और इष्टदेव रूप में भी...

➢➢ सदाकाल के मंदिर रूप में मेरा यादगार देख रही हूँ...

➳_ ➳ मैं सम्पूर्ण पावन बन रही हूँ..

➳_ ➳ मैं बापदादा के दिल तख़्त नशीं हूँ...

➳_ ➳ सदा एक बाप की याद समाये हुए हूँ..

➳_ ➳ दिलवाला बाप की याद में मगन हूँ...

→ इसीलिए भक्त यादगार में मुझे दिल में समाये हुए हैं..

→ मेरे हर कर्म का पूजन हो रहा है...

→ मेरा पूजन भी हो रहा है...

→ और गायन भी...

- मैं हर सब्जेक्ट में सम्पूर्ण विजयी बन रही हूँ..
- बाप के साथ पार्ट बजा रही हूँ...
- बाप की महिमा का गुणगान कर रही हूँ..
- इसलिए मेरा गायन हो रहा है...
  - ▶ पवित्रता के कारण मेरी पूजा हो रही है...
  - ▶ सर्व शक्तिवान बाप से मिली शक्तियों की मैं स्वयं में धारणा कर रही हूँ...
  - ▶ मेरे संहार करने की शक्ति के यादगार की दुर्गा रूप में पूजा हो रही है...
  - ▶ मेरे ज्ञान धन व सर्व खजानों को दान करने की शक्ति के यादगार की लक्ष्मी रूप में पूजा हो रही है...
  - ▶ मेरे हर विघ्न पर विजय प्राप्त करने की शक्ति के यादगार की विघ्न विनाशक रूप में पूजा हो रही है...
  - ▶ मेरे माया पर विजय प्राप्त करने की शक्ति के यादगार की महावीर रूप में पूजा हो रही है...
  - ▶ मेरी हर शक्ति व श्रेष्ठ कर्म का गायन और पूजन हो रहा है...

➢➢ मैं परम पूज्य आत्मा हूँ...

➳_ ➳ मेरा सम्पूर्ण निर्विकारी और 16 कला समपन्न स्वरुप में गायन हो रहा है...

➳_ ➳ मैं निरंतर योगी आत्मा हूँ...

➳_ ➳ मैं बाप समान बन रही हूँ...

➳_ ➳ मैं सृष्टि की आधार मूर्त हूँ..

➳_ ➳ मैं विश्व परिवर्तक आत्मा हूँ...